



राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन-सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना-800022

प्रेस-विज्ञप्ति

संख्या-217/2026

बिहार की कला और संस्कृति की विरासत को समझने की जरूरत- राज्यपाल

पटना 06 अक्टूबर, 2026 :- माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार संग्रहालय समिति द्वारा पटना संग्रहालय में आयोजित कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना की प्राचार्या डॉ० राखी कुमारी की एकल कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि बिहार कला, संस्कृति और ज्ञान की समृद्ध विरासत वाला प्रदेश है। बिहार के लोगों को अपनी इस विरासत की अहमियत समझनी और महसूस करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में कला और संस्कृति के ऐसे अनमोल रूप मौजूद हैं, जो इसे देश और दुनिया में अलग पहचान देते हैं।

राज्यपाल ने डॉ० राखी कुमारी को प्रदर्शनी के लिए बधाई देते हुए कहा कि लगभग 30 वर्षों के कला और ज्ञान के अनुभव को वे एक शिक्षक के रूप में नई पीढ़ी तक पहुँचा रही हैं। अपनी प्रतिभा को दूसरों के साथ साझा करना और बच्चों की प्रतिभा को निखारना महत्वपूर्ण कार्य है।

उन्होंने कहा कि पटना संग्रहालय और बिहार संग्रहालय जैसी संस्थाओं के माध्यम से बिहार की कला और संस्कृति को और बेहतर तरीके से लोगों तक पहुँचाया जा सकता है।

राज्यपाल ने डॉ० राखी कुमारी द्वारा लिखित पुस्तक 'छापा कला तकनीक' एवं 'अदृश्य छाप' कैटलॉग का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती सबीहा हसनैन ने कहा कि डॉ० राखी कुमारी की तीन दशक से अधिक की कला यात्रा प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि उनकी कला में बिहार की लोक परंपराओं, विशेषकर मिथिला और गोदना, तथा समकालीन विषयों का सुंदर मेल दिखाई देता है। बिहार संग्रहालय में आयोजित 'अदृश्य छाप : इम्प्रिंट' प्रदर्शनी उनकी मेहनत, रचनात्मकता और सांस्कृतिक जुड़ाव को दर्शाती है। यह प्रदर्शनी युवा कलाकारों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेगी।

कार्यक्रम को कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना की प्राचार्या डॉ० राखी कुमारी एवं बिहार संग्रहालय के महानिदेशक श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक श्री अशोक कुमार सिन्हा, कला एवं शिल्प महाविद्यालय के शिक्षकगण, छात्र एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....